आप को 'आईपैक' की रणनीति का साथ

प्रशांत किशोर की अगुआई वाली आईपैक ने दिल्ली चुनाव अभियान में अपना काम गत वर्ष जून में ही शुरू कर दिया था

साई मनीष

दिसंबर 2019 में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने यह घोषणा की थी कि इंडियन पोलिटिकल ऐक्शन कमेटी (आईपैक) के प्रमुख प्रशांत किशोर फरवरी में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी के चुनाव अभियान की रणनीति तैयार करेंगे।

हालांकि सच तो यह है कि आईपैक ने दिल्ली चुनाव अभियान में अपना काम गत वर्ष जून में ही शुरू कर दिया था। उसके एक महीने पहले ही आईपैक ने आंध्र प्रदेश में सफलतापूर्वक चुनाव अभियान चलाकर अपने ग्राहक जगन मोहन रेड्डी को भारी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। जगन की पार्टी वाईएसआर कांग्रेस ने 86 करोड़ रुपये के अपने चुनाव व्यय का करीब आधा हिस्सा परामर्श शुल्क के तौर पर आईपैक को दिया था।

आंध्र प्रदेश में सफल अभियान के बाद आईपैक ने दिल्ली पर ध्यान केंद्रित किया और कुछ ही समय में उसके कर्मचारी दिल्ली की सभी 70 विधानसभा सीटों तक फैल गए। इसका मकसद यह था कि उस विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं के बारे में जानकारी जुटाई जाए और उनके मिजाज को अच्छी तरह परखा जा सके। आईपैक की टीम ने केजरीवाल सरकार के कामकाज को लेकर एक-एक विधानसभा के लोगों की राय जानने की कोशिश की।

दिल्ली में लगी आईपैक टीम के एक सदस्य ने कहा, 'हमारे सर्वेक्षणों के मुताबिक, दिल्ली के अधिकतर लोगों को यह लग रहा था कि आम आदमी पार्टी ने पिछले पांच साल में उनके लिए काम किया है। आम धारणा यही थी कि केजरीवाल ने पांच साल में कुछ तो काम किया है।'

इस पहल का ही नतीजा रहा कि केजरीवाल ने आईपैक के साथ गठजोड़ की दिसंबर में आधिकारिक घोषणा की। हालांकि यह साफ नहीं है कि खुद प्रशांत किशोर ने आप की जीत की संभावना देखते हुए केजरीवाल से संपर्क साधा था या फिर इसका उलटा हुआ था। लेकिन चुनाव के दो महीने पहले चुनावी रणनीति बनाने का जिम्मा मिलने के बाद आईपैक ने बारीक चुनाव रणनीति तैयार की और आप के जमीनी कार्यकर्ताओं ने उसे पूरी क्षमता से उसे लागू किया। इस बारे में टिप्पणी के लिए जब प्रशांत किशोर से संपर्क साधने की कोशिश की गई तो वह उपलब्ध नहीं थे।आप के सह-संस्थापक राहुल मेहरा कहते हैं, 'इस बार के चुनाव में दो बातें अलग थीं। सोशल मीडिया अभियान नए तरह के संदेशों से भरा था जो न केवल आप के समर्थकों बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थकों की भी सोच को प्रभावित कर रहा था। दूसरा, अभियान में एक फील-गुड वाला पहलू भी था क्योंकि इसमें केवल इस पर जोर था कि पिछले पांच वर्षों में आप ने क्या किया है और दोबारा चुने जाने पर वह क्या-क्या करेगी? केजरीवाल ने भाजपा की विभाजनकारी तरकीबों में उलझने से परहेज किया और अपनी चुनावी रणनीति पर ही टिके रहे।'

किशोर की टीम ने दिसंबर में चुनाव रणनीति तैयार करते समय हरेक विधानसभा में ऐसे 200 लोगों की शिनाख्त की थी जो मतदाताओं को प्रभावित करने की क्षमता रखते थे। इन असरदार लोगों का समर्थन हासिल करने पर पार्टी ने ध्यान केंद्रित किया। ये लोग अतीत में किसी राजनीतिक दल से नहीं जुड़े थे और अपने इलाके में सामाजिक कार्यों में उनकी संलिप्तता के आधार पर उन्हें इस काम के लिए चुना गया था। ऐसे करीब 15,000 असरदार लोगों की पहचान की गई और उन्हें अपने-अपने इलाकों में मतदाताओं के संपर्क में रहते हुए केजरीवाल के काम एवं सोच का प्रचार-प्रसार करने का काम सौंपा गया।

इस परियोजना पर काम कर रहे आईपैक के हरेक सदस्य को दो-दो विधानसभा क्षेत्रों की रणनीति बनाने का काम सौंपा गया था। हरेक विधानसभा के सभी वार्डों को पांच मोहल्लों में बांटा गया और फिर उसके हिसाब से आईपैक को लोगों की उम्मीदों के मुताबिक रणनीति बनाने को कहा गया। दिल्ली चुनाव में काम कर चुके एक आईपैक कर्मचारी कहते हैं, 'हम दिसंबर से ही रोजाना करीब 15-16 घंटे काम कर रहे थे। इस दौरान हम हर दिन सैकड़ों लोगों से मिलकर अपनी रिपोर्ट तैयार करते थे।'

नई दिल्ली के रामलीला मैदान में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते अरविंद केजरीवाल फोटो : दलीप कुमार

- आईपैक ने आंध्र प्रदेश में सफलतापूर्वक चुनाव अभियान चलाकर अपने ग्राहक जगन मोहन रेड्डी को भारी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी
- किशोर की टीम ने दिसंबर में चुनाव रणनीति तैयार करते समय हरेक विधानसभा में ऐसे 200 लोगों की शिनाख्त की थी जो मतदाताओं को प्रभावित करने की क्षमता रखते थे

लोगों की आकांक्षाओं पर आधारित इन रिपोर्टों को ही आधार बनाते हुए केजरीवाल की शख्सियत को केंद्र में रखते हुए चुनाव अभियान की रणनीति एवं नारों को गढ़ा गया। लोगों की राय के ही आधार पर पार्टी ने जनवरी के मध्य में 'लगे रहो केजरीवाल' का चुनावी नारा दिया था। प्रशांत किशोर की अगुआई वाले आईपैक के रचनात्मक प्रमुखों ने यह गाना लिखा था और बॉलीवुड के मशहूर संगीतकार एवं आप समर्थक विशाल ददलानी ने इसका संगीत तैयार करने के साथ इसे गाया भी था। चुनाव अभियान के जोर पकड़ने के साथ ही यह गाना समूची दिल्ली में गूंजने लगा। ऐसे में मतदान के महज दस दिन पहले आईपैक ने एक और जिंगल 'अच्छे थे पांच साल, लगे रहो केजरीवाल' जारी किया। इसके पीछे रणनीतिकारों की सोच यह थी कि दिल्ली के मतदाता केजरीवाल के पिछले काम को देखते हुए उन्हें इनाम के तौर पर एक और कार्यकाल के लिए चुनें।

केजरीवाल की तरफ से जारी गारंटी कार्ड और पॉकेट कैलेंडर को दिल्ली के लाखों घरों में बांटा गया। आप ने वर्ष 2017 के गोवा विधानसभा चुनाव में भी हर घर तक गारंटी कार्ड पहुंचाने की रणनीति अपनाई थी लेकिन वह एक भी सीट नहीं जीत पाई थी। बहरहाल दिल्ली के गारंटी कार्ड में आप ने लोगों से 10 वादे किए हैं जिनमें मुफ्त बिजली एवं पानी देना जारी रखने को कहा गया है।

आईपैक के एक कर्मचारी कहते हैं, 'दिल्ली और अन्य राज्यों के चुनाव की हमारी रणनीति में फर्क यह रहा है कि यहां पर आप कार्यकर्ताओं ने ही हमारी तरफ से तैयार योजना को अमलीजामा पहनाया जबकि बाकी जगहों पर हमें वालंटियरों की सेवाएं लेनी पड़ती थीं।'

दिल्ली चुनाव में आप को मिली शानदार कामयाबी में आईपैक जैसी सलाहकार कंपनी की भूमिका काफी अहम रही है। हालांकि राजनीतिक विश्लेषक के नागेश्वर का मानना है कि कोई भी सलाहकार फर्म जमीनी हकीकत को नहीं बदल सकती है। वह कहते हैं, 'हालांकि ऐसी राजनीतिक सलाहकार फर्म कड़े मुकाबलों में अपने ग्राहकों के लिए फर्क पैदा कर सकती हैं। प्रचार एवं संचार की विशिष्ट रणनीति का असर पड़ता है। लेकिन दिल्ली में आप और भाजपा के बीच मत हिस्सेदारी में 15 फीसदी से भी अधिक का फासला था। इस तरह आप की बड़ी जीत में आईपैक की भूमिका उतनी अहम नहीं है।' नागेश्वर का मानना है कि जमीनी कार्यकर्ताओं से मिलने वाले फीडबैक के बावजूद दल ऐसी सलाहकार फर्मों का इस्तेमाल कर रहे हैं। वह कहते हैं, 'जनता के मिजाज के बारे में दलों का अंदरूनी फीडबैक अक्सर पक्षपातपूर्ण होता है और पार्टी के भीतर सत्ता के भूखे नेता इसका बेजा इस्तेमाल अपने फायदे के लिए कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में आईपैक जैसी फर्म से मिला स्वतंत्र फीडबैक अहम हो जाता है।'

प्रशांत किशोर की अगुआई वाली राजनीतिक सलाहकार फर्म आईपैक दिल्ली का किला फतह करने के बाद अब अपना ध्यान पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु पर लगाने जा रही है। अगले साल की गर्मियों में इन दोनों राज्यों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जहां लगातार तीसरी बार सत्ता में आने के लिए किशोर की सेवाएं ले रहीं हैं वहीं द्रमुक प्रमुख एम के स्टालिन ने तमिलनाडु की सत्ता पर काबिज होने के लिए आईपैक से संपर्क साधा है।

BNG LAW ASSOCIATES
ADVOCATES
Office: 24, CSC-5, DDA Market, Rohini Sec-14, Near Rohini Courts, New Delhi-110085
Ph. No - 09891693600 **Email** -info@bnglawassociates.com www.bnglawassociates.com

PUBLIC NOTICE

General public is hereby informed that my client M/s Cantabil Retial India Ltd. is a well reputed company engaged in the business of manufacturing and retailing of garments under the brand name of "Cantabil" and various other registered Trade Marks i.e. "Cantabil Italy" "Crozo" "Lil'Potatoes"etc and having copyright over various Logo's. My client is a Limited company having 300 showrooms all over India and is having a turnover of approx. Rs 292 Crores per annum. That some unauthorized company i.e. M/s Shirtex.in, M/s Trendshot.in, M/s Ishirt.in, M/s The one day and M/s My oufit shop and some other frauds are frequently using the brand name and Trade mark of the company i.e. M/s Cantabil Retail India Ltd./ my client and is posting the same on social media like Facebook etc.. Such firms/ entities do not have any relation with the complainant and they do not have any authority to publish any advertisement on behalf of my client. They are also selling the garments through social media by using the brand name of my client. My client has not given any authority to these entities to offer any sale of garments of the company through social media. That my client sell the garments through its showroom and official website i.e. www.cantabilinternational.com. Therefore public at large is made hereby informed to keep away from these frauds as if they shall deal with any of these frauds, they shall do it at their own risk and consequences and my client will not be responsible for the same.

Regards
Gagan Chawla
Advocate - D-984/2006

नागरिकता संशोधन कानून (सीएए), वर्षों से देश को इन फैसलों का इंतजार था।'

उन्होंने कहा, 'देशहित में ये फैसले जरूरी थे और दुनिया भर के तमाम दबावों के बावजूद हम इन फैसलों पर कायम हैं और कायम रहेंगे।'

देश के विभिन्न हिस्सों में सीएए के खिलाफ जारी अनिश्चितकालीन प्रदर्शनों के मद्देनजर प्रधानमंत्री का यह बयान महत्त्वपूर्ण है। मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विचारक पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अन्त्योदय के सिद्धांत को अपनी सरकार के इरादों से जोड़ते हुए कहा कि दीनदयाल जिस तरह अन्त्योदय की बात करते थे, वैसे ही देश के

उन्होंने कहा कि देश की विकास परियोजनाओं का विशेष लाभ इन छोटे शहरों और उनमें रहने वाले लोगों को ही हुआ है। अभी हाल में जो बजट आया है, उसमें सरकार ने घोषणा की है कि मूलभूत ढांचे के निर्माण पर 100 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा धनराशि खर्च की जाएगी। इसका बहुत बड़ा हिस्सा देश के छोटे-छोटे शहरों के खाते में ही जाने वाला है। मोदी ने एक वीडियो लिंक के माध्यम से आईआरसीटीसी की महाकाल एक्सप्रेस को भी हरी झंडी दिखाई। यह निजी रेलगाड़ी तीन ज्योतिर्लिंग तीर्थ स्थलों- वाराणसी, उज्जैन और ओंकारेश्वर को जोड़ेगी। *भाषा*

गृह मंत्री अमित शाह के आवास की तरफ मार्च करने की शाहीनबाग प्रदर्शनकारियों की घोषणा से इलाके में सुरक्षा बढ़ाई गई *पीटीआई*

कोरोनावायरस का भारत में जीवन और कारोबार पर असर

अर्णव दत्ता

कोरोनावायरस का डर तेजी से फैल रहा है, जिससे दुनियाभर में हजारों लोग संक्रमित और 1,600 से अधिक मर चुके हैं। हालांकि देश में अभी केवल तीन मामलों की पुष्टि हुई है, लेकिन हाल के एक सर्वेक्षण में दिखाया गया है कि अगर इस पर जल्द अंकुश नहीं लगाया गया तो यह जनजीवन और कारोबार को प्रभावित कर सकता है।

सरकार के शीर्ष नीति-निर्माताओं ने चीन में फैक्टरियां बंद होने के कारण भारतीय कंपनियों के लिए संभावनाएं पैदा होने की बात कही है, लेकिन भारतीय लोग इसके प्रसार पर अंकुश लगाने के लिए अधिकारियों द्वारा उठाए गए कदमों को लेकर चिंतित हैं। सर्वेक्षण में शामिल कम से कम 89 फीसदी लोगों का मानना है कि अब तक उठाए गए कदम पर्याप्त नहीं हैं। वहीं 70 फीसदी ने कहा कि उन लोगों की स्वास्थ्य जांच पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है, जो पिछले एक महीने के दौरान चीन और सिंगापुर से देश में आए हैं। वहीं 19 फीसदी लोगों ने कहा कि कोरोनावायरस का सार्वजनिक स्थानों में प्रसार रोकने के लिए स्वास्थ्य संस्थानों को ज्यादा संवेदनशील बनाने और कड़े नियम लागू करने की जरूरत है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने हाल में एक यात्रा सुझाव जारी किया था, जिसमें लोगों से चीन की यात्रा से बचने का आग्रह किया गया था। मंत्रालय ने कहा, 'यात्रा सलाह में संशोधन करते हुए जनता को सूचित किया जाता है कि वे चीन की यात्रा से बचें और 15 जनवरी 2020 के बाद चीन का दौरा करने वाले और अब अलग रखे जा रहे व्यक्ति से दूर रहें।' चीनी पासपोर्ट धारकों के लिए ई-वीजा सुविधा को अस्थायी रूप से स्थगित किया गया है।

हालांकि लोकलसर्किल्स रिपोर्ट में कहा गया है कि हवाई अड्डों पर ऐसे क्षेत्रों से आने वाले लोगों को अलग रखने की व्यवस्था कमजोर है क्योंकि संदिग्ध मामलों की राज्य सरकारी एजेंसियों द्वारा बाद में जांच नहीं की जाती है। पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग से संपर्क किया था और कोरोनावायरस को नियंत्रित करने में मदद की पेशकश की थी। भारत इस सप्ताह बड़ी मात्राा में सर्जिकल दस्ताने, डिस्पोजेबल मास्क, सर्जिकल सूट और सुरक्षात्मक फेसियल स्क्रीन चीन भेज रहा है, ताकि वहां कोरोनावायरस के प्रसार पर अंकुश लगाने में मदद मिले। सर्वेक्षण में शामिल 40 फीसदी लोग भारत की अगुआई के पक्ष में थे, लेकिन 43 फीसदी ने कहा कि इन उत्पादों का निर्यात बढ़ाना सही नहीं है। इसके बजाय भारत को घरेलू खपत के लिए इन उत्पादों का स्टॉक बढ़ाना चाहिए। वहीं 13 फीसदी ने ऐसे सुरक्षात्मक उत्पादों के उत्पादन और निर्यात में निर्यात पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने को तरजीह दी।

कोरोनावायरस से घटेगा कारोबार

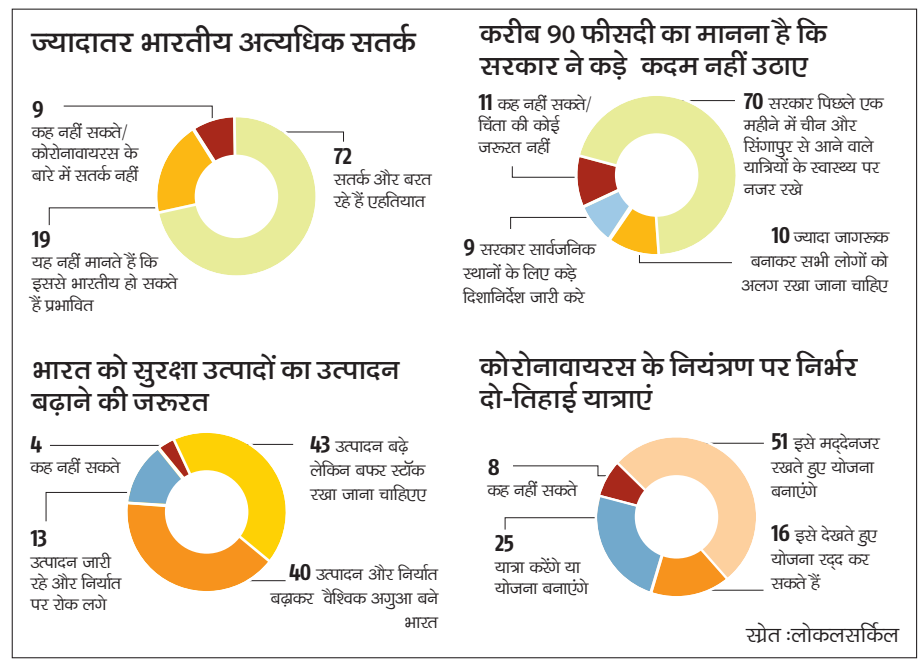

चीन को चिकित्सा सामग्री भेजेगा भारत

चीन में फैले घातक कोरोनावायरस के प्रकोप से निपटने के लिए भारत जल्द ही उसे चिकित्सा सामग्री की एक खेप भेजेगा। भारतीय राजदूत विक्रम मिस्री ने रविवार को यह जानकारी दी। मिस्री ने इस घातक वायरस के खिलाफ चीन के लोगों की लड़ाई में उनके प्रति एकजुटता व्यक्त की। राजदूत ने कहा, 'इस वायरस के प्रसार से निपटने के लिए एक ठोस कदम के रूप में, भारत जल्द ही चिकित्सा सामग्री की एक खेप चीन भेजेगा।' उन्होंने कहा, 'यह एक ठोस कदम है, जो भारत के लोगों और सरकार का चीन के लोगों के साथ सदभावना, एकजुटता और दोस्ती को पूरी तरह से प्रदर्शित करेगा।'

चीन में घटे मामले

चीन ने रविवार को कहा कि कोरोनावायरस के मामलों में अहम कमी आई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की टीम चीन में वायरस के प्रसार पर अंकुश लगाने के लिए पहुंची है। वायरस से अभी तक 1,665 लोगों की मौत हो चुकी है और दुनियाभर में 69 हजार से अधिक लोग संक्रमित हो चुके हैं।

जाइडस बनाएगी टीका

अहमदाबाद की दिग्गज दवा कंपनी कैडिला हेल्थकेयर (जाइडस कैडिला) ने कोरोनावायरस का टीका विकसित करने के लिए त्वरित शोध कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की है। इस दवा कंपनी की भारत और यूरोप में कई टीम इस टीके को विकसित करने पर काम करेंगी। जाइडस समूह के चेयरमैन पंकज आर पटेल ने कहा, 'ऐसा सुरक्षित और प्रभावी टीका बनाने की तत्काल जरूरत है, जो इस घातक वायरस के प्रसार को रोक सके। हमारे अनुसंधानकर्ता हाल की इस सबसे खतरनाक महामारी का जल्द समाधान खोजने पर काम कर रहे हैं।' *एजेंसियां*

वुहान से लौटे 406 लोग संक्रमित नहीं

चीन के वुहान से लौटे सभी 406 लोगों की अंतिम जांच में उनके कोरोनावायरस से संक्रमित नहीं होने की पुष्टि हुई है। इन सभी लोगों को आईटीबीपी के पृथक केंद्र में रखा गया है। उन्हें चरणबद्ध तरीके से सोमवार सुबह से छुट्टी दी जाएगी।

सीमावर्ती गांवों में जांच

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने नेपाल की सीमा से सटे गांवों में कोरोनावायरस के संक्रमण की जांच के लिए विशेषज्ञों के केंद्रीय दल गठित किए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के 15 फरवरी के एक आदेश में कहा गया है कि उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, सिक्किम और पश्चिम बंगाल में नेपाल की सीमा से सटे गांवों में केंद्रीय दल कोरोनावायरस को लेकर निरीक्षण करेंगे। राष्ट्रीय बीमारी नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी), सफदरजंग अस्पताल और राम मनोहर लोहिया अस्पताल के चिकित्सकों की पांच अलग-अलग टीम गठित की गई हैं।

वुहान से आए भारतीय नागरिक

जहाज में दो संक्रमित

जापान के तट पर अलग खड़े क्रूज जहाज डायमंड प्रिंसेस में सवार दो और भारतीयों के कोरोनावायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। भारत ने भरोसा दिया है कि सोमवार से शुरू होने वाली कोरोनावायरस की अंतिम जांच में संक्रमित न पाए जाने पर जहाज में सवार अपने नागरिकों को घर लौटने में हरसंभव मदद मुहैया कराएगा। इस महीने की शुरुआत में जापान के तट पर पहुंचे जहाज डायमंड प्रिंसेस में 3,711 लोग सवार हैं, जिनमें 138 भारतीय हैं।

वैश्विक वृद्धि पर असर

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ)की प्रमुख ने रविवार को कहा कि कोरोनावायरस महामारी से इस साल वैश्विक आर्थिक वृद्धि कमजोर हो सकती है। हालांकि उसके बाद तेज आर्थिक सुधार भी आ सकता है। आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जियोजिवा ने कहा, 'वैश्विक आर्थिक वृद्धि में गिरावट आ सकती है, जिसे लेकर हमारा अनुमान है कि यह 0.1 से 0.2 फीसदी हो सकती है।' *एजेंसियां*